अपठित गद्यांश

कक्षा - सातवीं [यह गद्यांश स्वयं ही करना है] Pg. 1

निम्नलिखित गद्यांश पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें।

जीवन में विकास करने के लिए अनेक गुणों की आवश्यकता होती है। इनमें अभ्यास और परिश्रम सबसे महत्वपूर्ण हैं। अभ्यास करने से जड़मति भी सुजान बन जाते हैं। इसलिए किसी ने सच ही कहा है -
"करत करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान।"
अभ्यास की कोई सीमा नहीं होती जैसे:-जितना गुड़ डाला जाए, उतना ही मीठा होता है। उसी तरह जितना परिश्रम किया जाए उतनी ही सफलता मिलती है। इतिहास में अर्जुन, एकलव्य सतत परिश्रम से सफलता पाने के उदाहरण हैं। डाकू रत्नाकर सतत अभ्यास से महर्षि वाल्मीकि बने और 'रामायण' की रचना की। अनेक डॉक्टर, वैज्ञानिक, खिलाड़ी, अभिनेता अपने परिश्रम से ही चरम शिखर को छू सके।
जो व्यक्ति जीवन के अनमोल समय का सदुपयोग नहीं करता, सफलता उससे दूर भागती है।
विद्यार्थी के लिए तो अभ्यास और परिश्रम और भी ज्यादा ज़रूरी है क्योंकि उन्हें एक लंबा जीवन जीना है। जैसी आदतें पड़ जाती हैं वे जीवन भर साथ रहती हैं। अतः सफलता पाने की सीढ़ी अभ्यास व परिश्रम ही है।

प्रश्न - 1

(क) जीवन में सफल होने के लिए कौन-कौन से गुण जरूरी हैं और क्यों?
(ख) 'अभ्यास की कोई सीमा नहीं होती' ऐसा क्यों कहा है?
(ग) अर्जुन और एकलव्य का उदाहरण क्या बताता है? (जानकारी प्राप्त करके लिखें।)

(घ) कैसे व्यक्ति जीवन में सफलता प्राप्त नहीं कर पाते?
(ङ.) विद्यार्थियों के लिए परिश्रम व अभ्यास क्यों अधिक जरूरी है?
(च) गद्यांश के लिए उचित शीर्षक (title) लिखो।

प्र० -2 निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखो।
(क) आवश्यकता (ख) परिश्रम (ग) जड़मति (घ) सतत

प्र० -3 निम्नलिखित के 2-2 पर्यायवाची लिखो।
(क) अर्जुन (ख) व्यक्ति (ग) समय

प्र० 4 विलोम शब्द लिखो
(क) गुण (ख) जीवन (ग) सफलता

प्र० 5 निर्देशानुसार बदलिए
(क) जीवन में विकास करने के लिए अनेक गुणों की आवश्यकता होती है।
→ ('आवश्यकता' के स्थान पर 'आवश्यक' शब्द प्रयोग करके वाक्य बनाओ।)

(ख) जितना गुड़ डाला जाए, उतना ही मीठा होता है।
→ ('मीठा' शब्द के स्थान पर 'मिठास' शब्द प्रयोग करके वाक्य बनाओ।)